कृषि क्षेत्र में रोजगार प्राप्त श्रमिक

864. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में बहुत बड़ी संख्या में श्रमिक असंगठित क्षेत्रों में लगे हुए हैं ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे श्रमिकों की अनुमानित संख्या कितनी है;

(ग) क्या यह भी सच है कि ऐसे अधिकांश श्रमिक कृषि के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं ;

(घ) यदि हां, तो एसे श्रमिकों की अनुमानित संख्या कितनी है और क्या यह भी सच है कि इस क्षेत्र में लगे हुए कर्मकारों को पूरे वर्ष काम नहीं मिलता है ;

(ङ) यदि हां, तो कृषि क्षेत्र में किसी श्रमिक को एक वर्ष में कितने दिन काम मिलता है; और

(च) क्या सरकार ने बेकार पड़ी मानवशक्ति के पूर्णतम इस्तेमाल के लिए कोई योजना बनाई है ; यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

श्रम मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पद्म सिंह पाटोदर) : (क) और (ख) 1981 की जनगणना के अनुसार असंगठित क्षेत्र में लगभग 1760 लाख कर्मकार थे ।

(ग) और (घ) उपरोक्त कर्मकारों में से लगभग 520 लाख कृषि क्षेत्र में काम कर रहे हैं । 1991 की जनगणना के अनुसार लगभग 200 लाख कर्मकारों को सीमांत कर्मकार के रूप में वर्गीकृत किया गया है जो कि केवल कुछ समय के लिए कार्य करते हैं ।

(ङ) और (च) सीमांत कर्मकार एक वर्ष में 183 दिनों से कम या 6 माह के लिए काम करते हैं । गरीबों के उत्थान के लिए तथा मजदूरी नियोजन के लिए आई०आर०डी०पी०, जवाहर रोजगार योजना, एन०आर०ई०पी०, आर०एल०ई०जी०पी० जैसी विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं । सरकार खेतिहर कर्मकारों के नियोजन एवं सेवा की शर्तों को विनियमित करने तथा उनके कल्याण के लिए कदम उठाने के उद्देश्य से एक केन्द्रीय विधान बनाने के प्रश्न पर विचार कर रही है ।

Proposal to speed up long distance trains

865. SHI KAPIL, VERMA:
SHRI RAM NARESH YADAV:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government propose to speed up long distance trains by eliminating several halts introduced during the last two years;

(b) what is the number of such halts introduced in the last two years; and

(c) what steps are being taken to improve punctuality standards?